apmas

Mahila Abhivruddhi Society

एपीएमएएस स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और उनके संघों, किसान संगठनों, सहकारी समितियों और समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ) के अन्य रूपों और स्वयं सहायता को बढ़ावा देने वाले संस्थानों (एसएचपीआई) के साथ काम करता है जो स्वयं सहायता की भावना में विश्वास और सम्मान करते हैं। और अपने काम के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में विचार करें। एपीएमएएस ने एसएचजी आंदोलन को मजबूत करने के उद्देश्य से तत्कालीन आंध्र प्रदेश में १ जुलाई २००१ को अपनी यात्रा शुरू की और बाद में कार्यक्रम और भौगोलिक रूप से देश भर में अपने क्षितिज का विस्तार किया।

एपीएमएएस में सरकार, वित्तीय संस्थानों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों (गैर-सरकारी संगठनों), स्वयं सहायता संघों, किसान संगठनों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व के साथ एक विविध निदेशक मंडल है। ये निदेशक मंडल कार्यक्रम संबंधी क्षेत्रों में अनुकरणीय मार्गदर्शन प्रदान करने और प्रमुख विकास खिलाड़ियों के साथ रणनीतिक सहयोग स्थापित करने के अलावा प्रभावी शासन और पारदर्शी प्रणाली सुनिश्चित करता है।

एपीएमएएस का मुख्यालय हैदराबाद में है और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार राज्यों में इसके तेरह क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इसमें ९८ पूर्णकालिक कर्मचारी, ३० सलाहकार और ३०० सामुदायिक संवर्ग हैं जो विभिन्न परियोजनाओं के परिपालन के लिए जिम्मेदार हैं। एपीएमएएस की हैदराबाद में अपनी ३०,००० वर्ग फुट इमारत है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कार्यालय स्थान और आवासीय सुविधाएं हैं।

एपीएमएएस मूल्य

- आत्मनिर्भरता
- गुणवत्ता के लिए चिंता
- लगातार सीखना
- पारदर्शिता और जवाबदेही
- लैंगिक समानता और सामाजिक समावेश
- भागीदारी और लोकतंत्र को बढ़ावा देना

विजन २०३०

एपीएमएएस सीमांत महिलाओं, खेती और स्वदेशी समुदायों के नेतृत्व में मजबूत और विविध आत्मनिर्भर संस्थानों के लिए आजीविका पारिस्थितिकी तंत्र के आजीविका के सूत्रधार के रूप में उभरा, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन हुआ।

मिशन

२०३० तक, एपीएमएएस, एक अत्याधुनिक संसाधन संगठन, जो प्रणालीगत परिवर्तन के लिए बहु-हितधारक भागीदारी में संलग्न है; स्थायी आजीविका का नवाचार और प्रदर्शन संस्थागत मॉडल, निम्नलिखित के माध्यम से दस लाख परिवारों को प्रभावित करता है:

- उच्च गुणवत्ता मानकों और सतह का सह-निर्माण और प्रचार करना ।
- क्षमता और क्षमताओं का विकास
- पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं - प्रौद्योगिकी, वित्त, बाजार, बुनियादी ढांचे तक पहुंच।
- महिलाओं के नेतृत्व वाली और विविध सामुदायिक संस्थाओं के बीच संधि ।
- पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और वॉश सेवाओं का एकीकरण।
- साक्ष्य आधारित नीति हिमायत।

लक्ष्य

१. एपीएमएएस क्षमता निर्माण, ऊष्मायन, परामर्श और ज्ञान प्रबंधन के माध्यम से सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों, दाताओं, कॉरपोरेट्स, गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक संस्थानों और अन्य प्रमुख हितधारकों के लिए भारत के भीतर और बाहर पसंदिता भागीदार के रूप में उभरा।

२. आत्मनिर्भर आजीविका संस्थान, उच्च गुणवत्ता मानकों का प्रदर्शन करते हुए, साझेदारी और जुड़ाव में लगे हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनक सदस्य परिवार जोखिमों और झटकों से निपटने के लिए लचीला हो गए हैं।

३. एसएचजी संघों, एफपीओ और एफपीओ संघों के कम से कम १000 आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक संस्थान जो कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनके सदस्य परिवारों की आय तिगुनी हो जाती है।

४. लैंगिक मुख्यधारा के परिणामस्वरूप घरेलू और संस्थागत स्तर पर महिलाएं नेतृत्व करें और निर्णयकर्ता बने और कम से कम एक लाख महिलाओं के लिए संपत्ति निर्माण।

५. एपीएमएएस ऊष्मायन समुदाय संस्थानों के सदस्य परिवार अपने अधिकारों और अधिकारों का उपयोग करते हैं और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और वॉश की सेवाओं का उपयोग करते हैं जिसके परिणामस्वरूप जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

एपीएमएएस की यात्रा

२०वर्षों में, एपीएमएएस ने ५००,०००से अधिक पेशेवरों और पैरा पेशेवरों को आत्म-निर्भर संस्थानों के समर्थन में व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल का उपयोग करके प्रशिक्षित किया, जो कि भागीदारी प्रशिक्षण पद्धतियों का उपयोग करके क्षेत्र के अनुभव और सीखने पर बनाए गए थे।डीजीआरवीनामक जर्मन सहकारी परिसंघ के साथ साझेदारी में, एपीएमएएसने स्वायत्त और आत्मनिर्भर बनने के लिए एसएचजीआंदोलन का समर्थन करने के लिए एक "क्षेत्र का अपना नियंत्रण "प्रणाली विकसित की।पिछले एक दशक से, एपीएमएएस एफपीओ को बढ़ावा देने और मजबूत करने, व्यवहार्य व्यावसायिक संगठन बनने और अपने एफपीओ ऊष्मायन केंद्रके माध्यम से एफपीओ को हाथ पकड़ने का समर्थन और परामर्श सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।एपीएमएएस कार्य का एक अन्य आयाम वाश, पोषण, शिक्षा और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के क्षेत्रों में अभिनव इम्तहानी और एकीकृत विकास कार्यक्रमों का प्रदर्शन और गांवों को नमूना बनने और फुरतीला बनाने की दिशा में काम करना है।एपीएमएएस ने एसएचजी आंदोलनों और आजीविका के क्षेत्र में अपने अनुकरणीय कार्य के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रशंसा प्राप्त की।

अपमास कार्यक्रम क्षेत्र

तेलंगाना

- स्टार्टअप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- एचएसबीसी: ग्रामीण गैर-कृषि उद्यमों को बढ़ावा देना
- जल गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम
- बोरपटला कस्टम हायरिंग सेंटर
- यूबीएस स्कूल परिवर्तन - गंदीपेट
- तेलंगाना रायथू उत्पादक कंपनी
- गेस्टे - सभी के लिए एक, सभी के लिए एक भारत में कृषि उत्पादक समूहों के लिए एक रायफीसेन बाजार की स्थापना
- एक जिला एक उत्पाद - पीएमएफएमई योजना

आंध्र प्रदेश

- ग्रीन इनोवेशन सेंटर (जीआईसी)
- ऑपरेशन ग्रीन्स
- क्लाइमेट स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट
- व्यावसायिक स्टार्टअप के रूप में एफपीओ का संवर्धन और वृद्धि
- पाड़ी पंटलु
- हेचिंग होप एक्सेलरेटिंग इनकम
- संपूर्ण पिलेर एफएससी
- क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन - नेशनल को
- ओपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन समुदाय प्रबंधित शहरी वाश सेवाएं (यूनिसेफ)
- उत्पादक संगठन/किसान हित समूह (एफआईजी)/उत्पादक संघ के प्रचार के तहत एफपीओ के तहत इन्हें कृषि-व्यवसाय उद्यम/स्टार्टअप (एमआईडीएच) के रूप में विकसित किया जाएगा।

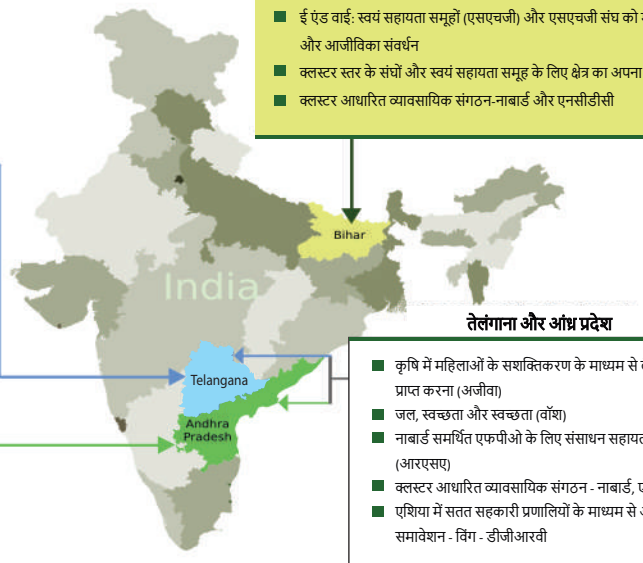

बिहार

- ई एंड वाई: स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और एसएचजी संघ को मजबूत करना और आजीविका संवर्धन
- क्लस्टर स्तर के संघों और स्वयं सहायता समूह के लिए क्षेत्र का अपना नियंत्रण और
- क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन-नाबार्ड और एनसीडीसी

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश

- कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण के माध्यम से लैंगिक समानता प्राप्त करना (अजीवा)
- जल, स्वच्छता और स्वच्छता (वॉश)
- नाबार्ड समर्थित एफपीओ के लिए संसाधन सहायता एजेंसी (आरएसए)
- क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन - नाबार्ड, एसएफएसी
- एशिया में सतत सहकारी प्रणालियों के माध्यम से आर्थिक समावेशन - विंग - डीजीआरवी

आउटरीच

एपीएमएएस तीन राज्यों (आंध्र प्रदेश, बिहार और तेलंगाना) में सीधे तौर पर मौजूद है, जो किसानों और एसएचजी महिलाओं तक पहुंचने के लिए १३,५१७ लोगों के संस्थानों (२२० एफपीओ, ४ एफपीओ फेडरेशन, १३,१३१ एसएचजी और १६२ एसएचजी फेडरेशन) के साथ काम कर रहा है। इसके अलावा, एपीएमएएस आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन प्रमोशन इंस्टीट्यूशंस (पीओपीआई) को हैंडहोल्डिंग और मेंटरिंग सपोर्ट प्रदान कर रहा है।

सहयोगी दाता

साझेदारी और सहयोग

आगे का रास्ता

बीस वर्षों में, एपीएमएएस ने हाशिए की महिलाओं और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के अपने दृष्टिकोण को साकार करने में एक सफल और एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण यात्रा की है और इस तरह गरीबी कम करने की पहल में योगदान दिया है। आने वाले वर्षों के लिए हमारी प्राथमिकताएं हैं:

- एसएचजी और आजीविका क्षेत्रों में सामाजिक पूंजी का निर्माण जारी रखें
- मूल्य श्रृंखला हस्तक्षेप करने के लिए व्यावसायिक उद्यमों के रूप में किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने और मजबूत करने में मॉडल और नवाचार बनाना; और एफपीओ को तकनीकी सेवाएं प्रदान करने में एक संसाधन केंद्र और एक रणनीतिक खिलाड़ी बनना।
- जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए जलवायु अनुकूल कृषि पहलों को बढ़ावा देना।
- क्षमता निर्माण, अनुसंधान अध्ययन आदि के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारी।
- निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी का लाभ उठाना, किसान संगठनों के साथ काम करने के लिए सीएसआर फंड तक पहुंच बनाना और मानव विकास संकेतकों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभिनव पायलट।
- गरीबी कम करने की पहल में सरकार के साथ काम करने में रणनीतिक भूमिका निभाना जारी रखें।

निस्संदेह हम आने वाले वर्षों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाने और अपने पथ को लोकतांत्रिक, भागीदारी और न्याय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे महिलाओं, वंचित समुदायों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास और विकास सुनिश्चित हो सके। हमारे विद्वान और प्रतिष्ठित निदेशक मंडल सदस्यों के मार्गदर्शन, हमारे कुशल कर्मचारियों के समर्थन और हमारे विकास भागीदारों और सबसे महत्वपूर्ण हमारे समुदायों के सहयोग से ऐसी यात्रा निश्चित रूप से संभव है।

apmas

महिला अभिवृद्धि सोसायटी

प्लॉट ११ और १२, एचआईजी, हुडा कॉलोनी, तनेशा नगर,
ड्रीम वैली के पास, मणिकोंडा, हैदराबाद ५०००८९, तेलंगाना।

+९१ - ८४१३ - ४०३११८ info@apmas.org www.apmas.org
https://www.facebook.com/APMASHYD https://www.linkedin.com/company/apmas